No. of Printed Pages : 2 **MHN–010**

एम. ए. हिन्दू अध्ययन

(एम. ए. एच. एन.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम.एच.एन.-010 : विविध विद्या परम्परा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में है। सभी खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

निर्देश : निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

$4 \times 15 = 60$

1. वैदिक एवं लौकिक संस्कृत साहित्य के आधार पर ब्रह्माण्ड की उत्पत्ति विषयक सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।
2. ज्ञान-विद्या एवं शिक्षा के स्वरूप का वर्णन कीजिए।
3. खगोल विद्या के स्वरूप का वर्णन कीजिए।
4. आयुर्वेद के सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।

5. योग की परम्परा में हठयोग के स्वरूप का वर्णन कीजिए।
6. गणित के उद्‌भव एवं विकास का वर्णन कीजिए।
7. काव्य को एक विद्या के रूप में कैसे जानते है ? उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।
8. काव्यशास्त्र के मूल स्वरूप एवं सम्प्रदायगत वैशिष्ट्य का वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

निर्देश : निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

$4 \times 10 = 40$

1. खगोल के किन्हीं **दो** आचार्यों के योगदान का वर्णन कीजिए।
2. लोकाख्यान के स्वरूप का सोदाहरण वर्णन कीजिए।
3. वास्तुपुरुष के स्वरूप का उल्लेख कीजिए।
4. काव्य रचना के सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।

अथवा

काव्य-विद्या को विद्या के रूप में परिभाषित कीजिए।

5. गणित के क्षेत्र में आर्यभट्ट के योगदान का वर्णन कीजिए।
6. भारतीय विद्या के विश्वकोश के रूप में वृहत्संहिता का वर्णन कीजिए :
7. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :

   (क) पातञ्जल योगसूत्र

   (ख) लोकसंगीत

× × × × ×